5

संज्ञा के विकार

(Declension of Noun)

(लिंग, वचन और कारक)

जो शब्द संज्ञा में विकार या परिवर्तन लाते हैं, वे विकारी तत्व कहलाते हैं। लिंग, वचन तथा कारक के कारण संज्ञा का रूप बदल जाता है। अत: इन्हें संज्ञा के विकारी तत्व कहा जाता है। आइए, इनके बारे में विस्तार से जानें–

लिंग (Gender)

माँ और **पिता जी** अखबार पढ़ रहे हैं।

छात्र तथा छात्रा पढ़ रहे हैं।

ऊपर लिखे शब्दों को पढ़ने से पता चलता है कि वे स्त्रीजाति के हैं या पुरुषजाति के हैं इस प्रकार

शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति या पुरुष जाति का बोध हो वह लिंग कहलाता है।

कोई भी वस्तु या प्राणी व्याकरण की दृष्टि से या तो पुल्लिंग होता है या स्त्रीलिंग। इस आधार पर लिंग के दो भेद माने जाते हैं–(1) पुल्लिग (2) स्त्रीलिंग।

1. पुल्लिग

मोर नाच रहा है।

बच्चा गेंद से खेल रहा है।

अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में मोर, बच्चा तथा अध्यापक शब्द पुरुष जाति का बोध करा रहे हैं। ये पुल्लिग शब्द हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि–

जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिग कहते हैं।

2. स्त्रीलिंग

मोरनी गा रही है। **बच्ची** गुड़िया से खेल रही है। **अध्यापिका** पढ़ा रही हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में मोरनी, बच्ची तथा अध्यापिका शब्द स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं। ये स्त्रीलिंग शब्द हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि–

जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

लिंग की पहचान

पुल्लिग की पहचान

1. **पेड़ों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–अशोक, आम, जामुन, नीम, अमरूद, सेब, शीशम आदि। (अपवाद : इमली, इलायची)
2. **पहाड़ों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–हिमालय, विंध्य, अरावली, सतपुड़ा, यूराल आदि।
3. **देशों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–भारत, चीन, अमेरिका, पाकिस्तान, ईराक, ईरान आदि। (अपवाद : श्रीलंका)
4. **धातुओं के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–लोहा, सोना, पीतल, ताँबा, स्टील आदि। (अपवाद : चाँदी)
5. **ग्रहों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–सूर्य, मंगल, शनि, राहु, केतु, चंद्रमा आदि। (अपवाद : पृथ्वी)
6. **समुद्र के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–प्रशांत महासागर, अरब सागर, हिंद महासागर।
7. **दिनों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार आदि।
8. **हिंदी महीनों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–चैत्र, बैसाख, ज्येष्ठ, आषाढ़।
9. **कुछ अंग्रेज़ी महीनों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–मार्च, अप्रैल, जून, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर आदि। (अपवाद : जनवरी, फरवरी, मई, जुलाई)
10. **शरीर के कुछ अंगों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–सिर, बाल, माथा, कान, गाल, मुँह, दाँत, गला, ओंठ, कंधा, सीना, हाथ आदि। (अपवाद : जीभ, नाक, अंगुली आदि।)
11. **अनाजों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–गेहूँ, चना, बाजरा, चावल, मक्का आदि।
12. **द्रव्य पदार्थों के नाम पुल्लिग होते हैं :** जैसे–पानी, तेल, दूध, घी आदि।

विशेष : कुछ शब्द सदा पुल्लिग ही रहते हैं ऐसे शब्दों को नित्य पुल्लिग शब्द भी कहते हैं। जैसे– खरगोश, कौआ, चीता, भेड़िया, मच्छर, भालू, गरुड़ आदि।

स्त्रीलिंग की पहचान

1. **नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–गोदावरी, महानदी, कावेरी, नर्मदा, गंगा, रावी, यमुना आदि। (अपवाद : ब्रह्मपुत्र)
2. **शरीर के कुछ अंगों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–मूँछ, जीभ, गर्दन, छाती, भौंह, आँख, पलक, बाँह, हथेली, नाभि आदि।
3. **भाषाओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–हिंदी, कश्मीरी, अंग्रेज़ी, मलयालम, चीनी, फ्रेंच, संस्कृत, कन्नड़, नेपाली, बांग्ला आदि।
4. **गहनों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–पाजेब, चूड़ी, कंठी, पायल, माला, नथ, अँगूठी आदि।
5. **खाने और बनाने की वस्तुओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–लुटिया, बालटी, कटोरी, करछी, थाली, प्लेट, छलनी, पतीली आदि।
6. **तिथियों तथा नक्षत्रों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–द्‌वितीया, तृतीया, एकादशी, रोहिणी आदि।
7. **किराने की वस्तुओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–हल्दी, चीनी, सौंफ, इलायची, मिश्री, हींग, दाल, चायपत्ती आदि।
8. **हथियारों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं :** जैसे–गोली, तलवार, तोप, बंदूक, मिसाइल, कृपाण, कटारी, छुरी आदि।

विशेष : कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं, जैसे–कोयल, मैना, चील, मछली, छिपकली, मक्खी आदि। इनको पुल्लिंग बनाते समय इन शब्दों के पहले 'नर' शब्द जोड़ा जाता है। जैसे–नर कोयल, नर मैना आदि।

लिंग बदलने के कुछ नियम

1. 'अ' को 'आ' में बदलकर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
सुत	सुता	पूज्य	पूज्या	शिष्य	शिष्या
चंचल	चंचला	ललित	ललिता	छात्र	छात्रा
आचार्य	आचार्या	प्रिय	प्रिया	बाल	बाला

2. 'अ' तथा 'आ' को 'ई' में बदलकर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	नर	नारी	रस्सा	रस्सी
पुत्र	पुत्री	सखा	सखी	बेटा	बेटी
लड़का	लड़की	चाचा	चाची	भतीजा	भतीजी

3. 'अ' तथा 'आ' को 'इया' में बदलकर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
बंदर	बंदरिया	बूढ़ा	बुढ़िया	बछड़ा	बछिया
खाट	खटिया	चिड़ा	चिड़िया	गुड्डा	गुड़िया
लोटा	लुटिया	चूहा	चुहिया	डिब्बा	डिबिया

4. पुल्लिग शब्दों के अंत में 'आइन' जोड़कर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
ठाकुर	ठकुराइन	लाला	लालाइन	पंडित	पंडिताइन
हलवाई	हलवाइन	बाबू	बबुआइन	गुरु	गुरुआइन

5. पुल्लिग शब्दों 'अ' को 'आनी' में बदलकर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
जेठ	जेठानी	नौकर	नौकरानी	सेठ	सेठानी

6. 'मती' तथा 'वती' लगाकर

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
श्रीमान	श्रीमती	गुणवान	गुणवती	भगवान	भगवती
पुत्रवान	पुत्रवती	रूपवान	रूपवती	बलवान	बलवती

7. कुछ संज्ञा शब्द ऐसे होते हैं, जो इन नियमों के अनुसार नहीं बदलते। लिंग बदलने पर वे पूरी तरह बदल जाते हैं; जैसेµ

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
भाई	बहन	बैल	गाय	वर	वधू
पिता	माता	ससुर	सास	कवि	कवयित्री
विद्वान	विदुषी	साधु	साध्वी	पति	पत्नी
चाचा	चाची	वीर	वीरांगना	राजा	रानी

स्मरणीय बिंदु

- स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
- लिंग दो प्रकार के होते हैं : पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग।
- कुछ शब्द स्त्रीलिंग तथा पुल्लिग में समान रहते हैं; जैसे डॉक्टर, प्रधानमंत्री आदि।
- कुछ शब्द सदा पुल्लिग होते हैं। जैसे—पशु, पानी आदि।
- कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग रहते हैं। जैसे—मछली, छिपकली आदि।

अभ्यास

मौखिक FORMATIVE ASSESSMENT

उत्तर दीजिए।

(क) लिंग से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

(ख) लिंग के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण बताइए।

(ग) पाँच नित्य स्त्रीलिंग शब्द बताइए।

लिखित SUMMATIVE ASSESSMENT

उत्तर दीजिए।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. सही (✓) विकल्प चुनिए–

(क) पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द रूप को कहते हैं–

स्त्रीलिंग ☐ पुल्लिंग ☐ लिंग ☐

(ख) 'पुस्तक', 'रात' 'सड़क' आदि कौन-से लिंग हैं–

पुल्लिंग ☐ स्त्रीलिंग ☐ उभयलिंग ☐

(ग) 'भगवान' शब्द का स्त्रीलिंग होता है

अभिनेत्री ☐ एक्ट्रेस ☐ भगवती ☐

(घ) प्रधानमंत्री शब्द का प्रयोग में किया जाता है।

स्त्रीलिंग ☐ पुल्लिंग ☐ दोनों लिंगों में ☐

(ङ) कोयल शब्द का प्रयोग सदा में किया जाता है।

केवल पुल्लिंग ☐ स्त्रीलिंग ☐ केवल स्त्रीलिंग ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के सही स्त्रीलिंग रूप पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) हाथी : हथिनी ☐ हाथिनी ☐ हाथीनी

(ख) कवि : कवित्री ☐ कवयित्री ☐ कवियित्री

(ग) सम्राट : सम्रागी ☐ सम्राज्ञी ☐ स्राम्ज्ञी

(घ) गुड्डा : गुड़िया ☐ गुड्डी ☐ गुड़डिया

(ङ) चूहा : चूही ☐ चूहिया ☐ चुहीया

3. निम्नलिखित शब्दों के पुल्लिंग रूप लिखिए–

सेविका .... सिंहनी ....

साम्राज्ञी .... सेठानी ....

ग्वालिन .... नायिका ....

मोरनी .... तपस्विनी ....

देवी .... नौकरानी ....

4. रंगीन शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

(क) कल मेरे चाचा और .... आने वाले हैं।

(ख) बाग में दादा और .... सैर कर रहे हैं।

(ग) रमा के देवर और .... दोनों डॉक्टर हैं।

(घ) कक्षा में छात्र और .... पढ़ रहे हैं।

(ङ) बंदर और .... पेड़ पर बैठे हैं।

5. वाक्य को सही शब्द द्वारा पूरा कीजिए–

(क) दादी जी की छड़ी .... है। (काला/काली)

(ख) .... बच्चों को शिकार करना सिखाती है। (शेर/शेरनी)

(ग) यह तसवीर .... है। (अच्छा/अच्छी)

(घ) .... पौधों की देखभाल करता है। (माली/मालिन)

(ङ) उनका मकान .... है। (बड़ा/बड़ी)

6. निम्नलिखित शब्दों के आगे उनका लिंग लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दूध ....

(ख) चाय ....

(ग) पैर ....

(घ) टाँग ....

(ङ) खरगोश ....

रचनात्मक मूल्यांकन ||| FORMATIVE ASSESSMENT 2

दिए गए शब्दों के पुल्लिंग रूप शब्द जाल में ढूँढ़िए–

1. बलवती
2. बछिया
3. शेरनी
4. भतीजी
5. पुस्तिका

ज	बं	द	र	म	शे	र
फ	पु	स्त	क	स	य	र
से	र	झ	ब	छ	ड़ा	भ
रा	त	थ	स	व	ल	ती
जा	द	ब	ल	वा	न	जा
ठ	ध	न	ख	हि	र	ण